



# KHAN GLOBAL STUDIES

Kumar Tower 2nd Floor Boring Road Crossing Patna-01

Mob : 06124012499,887718018,855735880

## Economics

By. Dr. Bharat Sir

### भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (SEBI) (Securities and Exchange Board of India)

- यह 12 अप्रैल 1992 को गठित एक वैधानिक संगठन (Statutory Body) है
- यह भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम (SEBI Act), 1992 के तहत काम करता है।
- भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (SEBI) का प्राथमिक कर्तव्य प्रतिभूतियों में निवेशकों के हितों की रक्षा करना और प्रतिभूति बाजार (Security Market) को बढ़ावा देना और विनियमित (Regulate) करना है।
- इसका मुख्यालय मुंबई में है, अहमदाबाद, चेन्नई, दिल्ली और कोलकाता में इसके चार क्षेत्रीय कार्यालय (Regional Office) हैं।
- सेबी अध्यक्ष - सुश्री माधवी पुरी बुच

### सेबी के सदस्य (Members)

- अध्यक्ष - केंद्र सरकार द्वारा मनोनीत।
- केंद्रीय वित्त मंत्रालय के दो अधिकारी सदस्य हैं।
- भारतीय रिजर्व बैंक का एक प्रतिनिधि होता है।
- भारत की केंद्र सरकार शेष पांच सदस्यों की नियुक्ति करती है। पांच सदस्यों में से तीन को पूर्णकालिक काम करना चाहिए।

### सेबी की शक्तियाँ और कार्य (Powers and Functions of SEBI)

- सेबी का उद्देश्य अपने वैधानिक नियमों और स्व-विनियमन व्यवसाय के बीच सामंजस्य स्थापित करके धोखाधड़ी की जांच (to check fraudulence) करना भी है।
- यह बिचौलियों (intermediaries) के लिए प्रतिस्पर्धी पेशेवर बाजार (competitive professional market) को भी सक्षम बनाता है।
- सेबी एक बाजार प्रदान करता है जिसमें जारीकर्ता (Issuers & Company) ठीक से वित्त बढ़ा सकते हैं।
- सेबी शेयरों के व्यापार का विश्लेषण करता है और सुरक्षा बाजार को अनाचार से बचाता है।
- यह स्टॉक ब्रोकर्स को नियंत्रित करता है।
- यह निवेशकों को उनके ज्ञान (Educating Investors) को बढ़ाने के लिए बाजार के बारे में शिक्षा प्रदान करता है।

### प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (SAT) (Securities Appellate Tribunal)

- SAT, SEBI अधिनियम, 1992 की धारा (Section) 15K के प्रावधानों के तहत स्थापित एक वैधानिक निकाय (Statutory Body) है।
- सिक्वोरिटीज अपीलेट ट्रिब्यूनल (SAT) की केवल एक बेंच है जो मुंबई में बैठती है।
- यह वित्त मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र में है।
- संघटन (Members)-**
  - SAT में एक पीठासीन अधिकारी (Presiding Officer) और दो अन्य सदस्य होते हैं।
  - SAT के पीठासीन अधिकारी की नियुक्ति केंद्र सरकार द्वारा भारत के मुख्य न्यायाधीश या उनके नामित व्यक्ति के परामर्श से की जाएगी।
- शक्तियाँ और कार्य (Powers and Functions)-**
  - इसमें वही शक्तियाँ हैं जो एक सिविल कोर्ट में निहित हैं। इसके अलावा, यदि कोई व्यक्ति SAT के निर्णय या आदेश से असंतुष्ट महसूस करता है तो उच्चतम न्यायालय में अपील कर सकता है।
  - सेबी अधिनियम, 1992 के तहत सेबी द्वारा पारित आदेशों के खिलाफ अपील सुनने और निपटाने के लिए।
  - पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण Pension Fund Regulatory and Development Authority of India (PFRDA) द्वारा पारित आदेशों के विरुद्ध अपीलों को सुनना और उनका निपटान करना।
  - भारतीय बीमा विनियामक विकास प्राधिकरण Insurance Regulatory and Development Authority of India (IRDAI) द्वारा पारित आदेशों के विरुद्ध अपीलों को सुनना और उनका निपटान करना।

### फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (Financial Action Task Force (FATF))

- G7 शिखर सम्मेलन के दौरान 1989 में स्थापित अंतर-सरकारी निकाय (Inter-governmental body)
- अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली (international Financial System) की अखंडता के लिए मनी लॉन्ड्रिंग (Money Laundering), आतंकवादी वित्तपोषण (Terrorist Financing) और

अन्य संबंधित खतरों से निपटने के लिए कानूनी, नियामक और परिचालन उपायों के कार्यान्वयन को बढ़ावा देना।

- ☛ **सचिवालय (Secretariat):** पेरिस में OECD मुख्यालय।
- ☛ भारत 2010 में सदस्य बना।
- ☛ FATF की दो सूची हैं:
- ☛ **ग्रे लिस्ट (Grey List) :** ऐसे देश जिन्हें टेरर फंडिंग और मनी लॉन्ड्रिंग का समर्थन करने के लिए सुरक्षित आश्रय माना जाता है।
- ☛ **काली सूची (Black List):** गैर-सहकारी देश या क्षेत्र (एनसीसीटी) के रूप में जाने जाने वाले देशों को यहां रखा गया है। ये देश आतंकी फंडिंग और मनी लॉन्ड्रिंग गतिविधियों का समर्थन करते हैं।

**अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण**  
**[International Financial Service Centre**  
**Authority (IFSCA)]**

- ☛ IFSCA वित्तीय क्षेत्र के भीतर अंतर-नियामक (inter&regulatory) समन्वय (Coordination) सुनिश्चित करने

के लिए अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण अधिनियम, 2019 के तहत 2020 में स्थापित एक वैधानिक निकाय है।

- ☛ **मुख्यालय :** गिफ्ट सिटी (GIFT CITY), गांधीनगर, गुजरात ।
- ☛ IFSCA की स्थापना से पहले, घरेलू वित्तीय नियामकों, अर्थात्, RBI, SEBI, PFRDA और IRDAI ने IFSC में व्यवसाय को विनियमित किया।
- ☛ IFSCA में वित्तीय उत्पादों (Financial Products), वित्तीय सेवाओं (Financial Services) और वित्तीय संस्थानों (Financial Institutions) के विकास और विनियमन (Development and Regulation) के लिए एक एकीकृत प्राधिकरण है।
- ☛ IFSCA का मुख्य उद्देश्य (to develop a strong global connect and focus on the needs of the Indian economy) एक मजबूत वैश्विक संपर्क विकसित करना और भारतीय अर्थव्यवस्था की जरूरतों पर ध्यान केंद्रित करने के साथ-साथ पूरे क्षेत्र और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक अंतरराष्ट्रीय वित्तीय मंच के रूप में काम करना है।

दूत निवेशकों (Angel Investors)	उद्यम पूंजीदाता (Venture Capitalist)
<ul style="list-style-type: none"> <li>● एंजेल निवेशक एक निवेशक है जो उद्यमियों को 'अपना व्यवसाय शुरू करने' के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है ।</li> <li>● एंजेल निवेशक आमतौर पर एक उद्यमी के परिवार और दोस्तों के बीच लेकिन वे बाहर से भी हो सकते हैं। वे जो पूंजी प्रदान करते हैं, वह बीज धन (Seed Funding) का एक बार का इंजेक्शन हो सकता है या कंपनी को कठिन समय के माध्यम से ले जाने के लिए जारी समर्थन हो सकता है - बदले में वे व्यवसाय में खुद की हिस्सेदारी पसंद कर सकते हैं या ऋण के रूप में पूंजी प्रदान कर सकते हैं।</li> <li>● वे आमतौर पर व्यवसाय की बजाय व्यक्ति में निवेश कर रहे होते हैं।</li> <li>● निवेश योग्य पूंजी के अलावा, ये निवेशक तकनीकी सलाह प्रदान करते हैं।</li> <li>● वे अपने निवेश से भारी मुनाफा कमाने के बजाय व्यवसाय को सफल बनाने में मदद करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>● एक उद्यम पूंजीपति (VC) एक निजी इक्विटी निवेशक है जो इक्विटी हिस्सेदारी के बदले उच्च विकास क्षमता प्रदर्शित करने वाली कंपनियों को पूंजी प्रदान करता है।</li> <li>● यह स्टार्टअप उपक्रमों को वित्तपोषित (Financing) करना या छोटी कंपनियों का समर्थन करना हो सकता है जो विस्तार करना चाहते हैं लेकिन इक्विटी बाजारों तक उनकी पहुंच नहीं है।</li> <li>● वेंचर कैपिटलिस्ट एंजेल निवेशक के विपरीत व्यक्ति के बजाय कंपनी के लाभ में रुचि रखते हैं।</li> <li>● वेंचर कैपिटलिस्ट ऐसी कंपनियों में निवेश करने का जोखिम उठाने को तैयार हैं क्योंकि अगर ये कंपनियां सफल होती हैं तो वे अपने निवेश पर भारी रिटर्न कमा सकते हैं।</li> </ul>





# KHAN GLOBAL STUDIES

Kumar Tower 2nd Floor Boring Road Crossing Patna-01

Mob : 06124012499,887718018,855735880

## Economics

By. Dr. Bharat Sir

### Securities and Exchange Board of India (SEBI)

- ☞ It is a statutory organisation formed on April 12, 1992
- ☞ It works under Securities and Exchange Board of India Act, 1992.
- ☞ The Securities and Exchange Board of India's primary duties are to safeguard the interests of investors in securities and to promote and regulate the securities market.
- ☞ It is headquartered in Mumbai, has four regional offices in Ahmedabad, Chennai, Delhi, and Kolkata.
- ☞ SEBI Chairman - **Ms Madhabi Puri Buch**

### Members of SEBI

- ☞ The Union Government of India nominated the chairperson.
- ☞ Two officers from the Union Finance Ministry are members.
- ☞ The Reserve Bank of India has one representative.
- ☞ The Union Government of India appoints the remaining five members. Three of the five members should work full-time.

### Powers and Functions of SEBI

- ☞ SEBI also aims to check fraudulence by harmonising its statutory regulations and self-regulating business.
- ☞ It also enables a competitive professional market for intermediaries.
- ☞ SEBI provides a marketplace in which the issuers can increase finance properly.
- ☞ It also ensures safety and supply of precise and accurate information from the investors.
- ☞ SEBI analyses the trading of stocks and saves the security market from the malpractices.
- ☞ It controls the stockbrokers
- ☞ It provides education regarding the market to the investors to enhance their knowledge

### Securities Appellate Tribunal (SAT)

- ☞ SAT is a statutory body established under the provisions of Section 15K of the SEBI Act, 1992.

- ☞ The Securities Appellate Tribunal has only one bench which sits at Mumbai.

- ☞ It is under the jurisdiction of Ministry of Finance.

#### ☞ Composition:

- SAT consists of a Presiding Officer and Two other members.
- The Presiding officer of SAT shall be appointed by the Central Government in consultation with the Chief Justice of India or his nominee.

#### ☞ Powers and Functions:

- It has the same powers as vested in a civil court. Further, if any person feels aggrieved by SAT's decision or order can appeal to the Supreme Court.
- To hear and dispose of appeals against orders passed by the SEBI or by an adjudicating officer under the SEBI Act, 1992.
- To hear and dispose of appeals against orders passed by the Pension Fund Regulatory and Development Authority (PFRDA).
- To hear and dispose of appeals against orders passed by the Insurance Regulatory Development Authority of India (IRDAI).

### Financial Action Task Force (FATF)

- ☞ Inter-governmental body established in 1989 during G7 summit.
- ☞ To set standards and promote implementation of legal, regulatory and operational measures for combating money laundering, terrorist financing and other related threats to the integrity of the international financial system.
- ☞ **Secretariat:** OECD headquarters in Paris.
- ☞ India became member in 2010.
- ☞ FATF has two list
- ☞ **Grey List:** Countries that are considered safe haven for supporting terror funding and money laundering.
- ☞ **Black List:** Countries known as Non-Cooperative Countries or Territories (NCCTs) are put here. These countries support terror funding and money laundering activities.

### International Financial Services Centre Authority

- ☛ IFSCA is a statutory body established in 2020 under the International Financial Services Centres Authority Act, 2019 to ensure inter-regulatory coordination within the financial sector.
- ☛ **Headquarters:** At GIFT City, Gandhinagar in Gujarat.
- ☛ Prior to the establishment of IFSCA, the domestic financial regulators, namely, RBI, SEBI, PFRDA and IRDAI regulated the business in IFSC.

- ☛ The IFSCA is a unified authority for the development and regulation of financial products, financial services and financial institutions in the International Financial Services Centre (IFSC) in India.
- ☛ The main objective of the IFSCA is to develop a strong global connect and focus on the needs of the Indian economy as well as to serve as an international financial platform for the entire region and the global economy as a whole.

ANGEL INVESTORS	VENTURE CAPITALIST
<ul style="list-style-type: none"><li>• Angel investor is an investor who provides financial backing to entrepreneurs for 'starting their business'.</li><li>• Angel investors are usually found among an entrepreneur's family and friends but they may be from outside also. The capital they provide can be a one-time injection of seed money or ongoing support to carry the company through difficult times – in exchange they may like owning share in the business or provide capital as loan.</li><li>• They are usually investing in the person rather than the viability of the business.</li><li>• Other than investible capital, these investors provide technical advices.</li><li>• They are focused on helping the business succeed, rather than reaping a huge profit from their investment.</li></ul>	<ul style="list-style-type: none"><li>• A venture capitalist (VC) is a private equity investor that provides capital to companies exhibiting high growth potential in exchange for an equity stake.</li><li>• This could be funding Startup ventures or supporting small companies that wish to expand but do not have access to equities markets.</li><li>• Venture capitalists are interested in profit of the company rather than in the person unlike angel investor.</li><li>• Venture capitalists are willing to risk investing in such companies because they can earn a massive return on their investments if these companies are a success.</li></ul>

